

रॉबर्ट वानॉय , बाइबिल भविष्यवाणी की नींव, व्याख्यान 21बी अमोस

अमोस

5. उस समय की राजनीतिक एवं सामाजिक परिस्थितियाँ

आइए अमोस पर अपनी चर्चा पर वापस आते हैं। संख्या 5 है, "उस समय की राजनीतिक और सामाजिक स्थितियाँ।" इस्राएल और यहूदा दोनों समृद्ध हो रहे थे। इज़राइल को सीरिया और असीरिया दोनों के दबाव से राहत मिली। अमोस कहीं भी सीरिया के बारे में स्पष्ट रूप से बात नहीं करता है, और इसके लिए उसके मुसीबत में होने का कोई संकेत नहीं है। 5:27 को देखें, "इस कारण मैं तुझे दमिश्क के पार बंधुआई में भेजूंगा," प्रभु जिसका नाम सर्वशक्तिमान है, उसका यही वचन है। 6:7 में, "इसलिये तुम हम में से बन्धुआई में जाने वाले पहले व्यक्ति होगे, और तुम्हारी जेवनार और मौजमस्ती समाप्त हो जाएगी।" 6:14 में, यहाँ दिलचस्प शब्द हैं, "सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर यह घोषणा करता है, 'हे इस्राएल के घराने, मैं तुम्हारे विरुद्ध राष्ट्रों को भड़काऊँगा, जो लेबो हमात से लेकर अराबा की घाटी तक तुम पर अन्धेरे करेंगे। ' " क्या इससे कोई घंटी बजेगी? विशेषकर, " लेबो हमात से अराबा की घाटी तक।" 2 राजा 14:25 में योना के संबंध में संदर्भ देखें। इसमें कहा गया है कि यारोबाम "वही था जिसने इस्राएल के परमेश्वर यहोवा के उस वचन के अनुसार, जो अमितै के पुत्र, अपने सेवक योना, भविष्यवक्ता के द्वारा कहा गया था, इस्राएल की सीमाओं को लेबो हमात से अराबा के सागर तक पुनर्स्थापित किया था।" गैथ हेफ़र का निर्माण करें।" तो आप देख सकते हैं कि योना ने भविष्यवाणी की थी कि इज़राइल अपनी सीमाओं को लेबो हमात से अराबा के सागर तक बढ़ाएगा। यहाँ अमोस आता है और कहता है, "मैं लेबो हमात से लेकर अराबा की तराई तक तुम पर अन्धेरे करूँगा।" इसलिए अमोस उत्पीड़क राष्ट्र की पहचान सीरिया के रूप में करने के करीब पहुंच गया है, हालांकि वह स्पष्ट रूप से इस शब्द का उपयोग नहीं करता है।

आंतरिक-समृद्धि आंतरिक रूप से समृद्धि थी। आपके पास 3:15 में अमीरों के असाधारण घरों का

संदर्भ है, “मैं सर्दियों के घर को गर्मियों के घर के साथ-साथ नष्ट कर दूंगा; हाथीदांत से सजा हुआ घर नष्ट कर दिया जाएगा और हवेली ध्वस्त कर दी जाएंगी।” अब सामरिया में खुदाई चल रही है जहाँ सैकड़ों जड़े हुए हाथीदांत पाए गए हैं। विलासिता की दावतों का वर्णन 6:4-6 में किया गया है, “तू हाथी दांत से जड़े हुए बिस्तरों पर लेटता है और अपने सोफों पर आराम करता है। तुम अच्छे-अच्छे मेमनों और पाले हुए बछड़ों का भोजन करते हो। आप दाऊद की तरह अपनी वीणा बजाते हैं और संगीत वाद्ययंत्रों को सुधारते हैं। तुम कटोरा भर कर दाखमधु पीते हो, और उत्तम से उत्तम लोशन लगाते हो, परन्तु यूसुफ की बरबादी पर शोक नहीं करते। इसलिए, आप निर्वासन में जाने वाले पहले लोगों में से होंगे, आपकी दावत और मौज-मस्ती खत्म हो जाएगी।” तो, वहाँ बहुत विलासिता और धन है। लेकिन जैसा कि एलिसन बताते हैं, यह तस्वीर का एक पहलू है। हम अमीरों को देखते हैं लेकिन हमें गरीबों के घरों की ओर भी देखना चाहिए कि वे कैसे रहते हैं। यदि आप 2:6 को देखते हैं जहाँ आप पढ़ते हैं तो तस्वीर का वह पक्ष सामने आता है। “इस्राएल के तीन पापों के कारण, चाहे चार के कारण भी, मैं अपना क्रोध न रोकूंगा। वे धर्मियों को चाँदी के लिये, और दरिद्रों को एक जोड़ी जूतों के लिये बेच देते हैं। वे कंगालों के सिर को भूमि की धूल के समान रौंदते हैं, और उत्पीड़ितों को न्याय से वंचित करते हैं।” तो बहुत अन्याय हुआ। अमोस 8:4-6 इस विषय को आगे बढ़ाता है, “हे तुम जो दरिद्रों को रौंदते हो, और देश के कंगालों का नाश करते हो, यह सुनो, ‘नया चाँद कब होगा कि हम अन्न बेचें, और सब्त का दिन कब पूरा होगा’ क्या हम गेहूँ का विपणन कर सकते हैं?’ माप में कंजूसी करना और कीमतें बढ़ाना और बेईमान तराजू से धोखा देना, गरीबों को चाँदी से और जरूरतमंदों को एक जोड़ी सैंडल के लिए खरीदना, यहां तक कि गेहूँ के साथ झाड़ू भी बेचना। इसलिए जैसा कि एलिसन बताते हैं, लेखक समृद्धि का वर्णन करने के शौकीन हैं लेकिन अधिकांश भाग में वे न्याय पर ध्यान केंद्रित करने में विफल रहते हैं। तो ये लेखक और पुस्तक की पृष्ठभूमि के बारे में टिप्पणियाँ हैं।

बी. अमोस की पुस्तक और इसकी सामग्री 1. सामान्य रूपरेखा बी । है, “अमोस की पुस्तक और उसकी सामग्री।” एक है “सामान्य रूपरेखा।” मुझे लगता है कि पुस्तक चार खंडों में विभाजित है। पहला, “आसपास के राष्ट्रों पर सुनाया गया निर्णय” और हम उस पर संक्षेप में विचार करेंगे। अमोस

आसपास के देशों, अंततः यहूदा को चेतावनी देता है, और इज़राइल पर ध्यान केंद्रित करता है। ये पहले दो अध्याय हैं। फिर दूसरे खंड में वह इज़राइल पर अधिक विशिष्ट निर्णय और उसके कारणों को देना है। वह अध्याय 3 से 6 है। और फिर तीसरा, अध्याय 7, 8 और 9 में पांच दर्शनों का एक खंड। अंतिम खंड भविष्य के आशीर्वाद का वादा है, आमोस 9:11-15। तो इस तरह सामग्री गिरती है। मुख्य विषय "सामाजिक अन्याय के लिए इज़राइल पर निर्णय" है। इसमें सामाजिक न्याय के साथ-साथ धार्मिक औपचारिकता पर भी जोर दिया गया है। इसलिए अमोस ने कानून के तहत भविष्य की बहाली के वादे की बड़ी आशा के साथ पुस्तक के अंत में भगवान के न्याय के साथ खंड को समाप्त किया।

2. आमोस 1-2 अध्याय 1 और 2 वह पहला खंड है, "आसपास के राष्ट्रों पर न्याय।" वहां आसपास के छह राष्ट्रों पर फैसले सुनाए जाते हैं और उसके बाद अंतिम फैसला सुनाया जाता है। अमोस प्रत्येक अनुभाग को "तीन पापों के लिए" वाक्यांश के साथ शुरू करने के नियमित पैटर्न का पालन करता है और फिर वह एक निश्चित शहर या राष्ट्र का नाम लेता है, "और चार के लिए मैं अपना क्रोध वापस नहीं लूंगा।" तो आप पद 3 में ध्यान दें, "दमिश्क के तीन पापों के कारण, क्या चार के कारण भी, मैं अपना क्रोध नहीं रोकूंगा।" फिर पद 6, "गाजा के तीन पापों के कारण, चाहे चार के कारण, मैं अपना क्रोध नहीं रोकूंगा," और पद 9, "सोर के तीन पापों के कारण, चाहे चार के कारण भी, मैं अपना क्रोध नहीं रोकूंगा।" और यह अध्याय से होते हुए दूसरे अध्याय तक चलता है, "तीन पापों के लिए," और फिर एक निश्चित शहर या राष्ट्र, "और चार के लिए मैं अपना क्रोध नहीं लौटाऊंगा।" इस अभिव्यक्ति को सबसे अच्छी तरह से उनकी पापपूर्णता की पूर्णता को इंगित करने के रूप में समझा जाता है - तीन पापों के लिए और चार के लिए।

अमोस भी उन राष्ट्रों के क्रम में एक पैटर्न का अनुसरण करता है जिनके बारे में वह बोलता है। वह विदेशी लोगों के बारे में उनकी राजधानी के नाम से बात करता है। वह सीरिया की बात करता है और उसका संदर्भ राजधानी दमिश्क से देता है। वह आमोस 1:6 में गाजा की राजधानी का उपयोग करके फ़िलिस्तिया की बात करता है। और वह श्लोक 9 में फेनिशिया की राजधानी सोर का उपयोग करने की बात करता है। इसलिए वह पहले विदेशी

राष्ट्रों को संबोधित करता है, फिर वह श्लोक 11 में चचेरे भाई राष्ट्रों, एदोम की ओर बढ़ता है। एदोम एसाव से आता है। पद 13 में अम्मोन; अम्मोन इसराइल से संबंधित है और अम्मोनी लूत की बड़ी बेटी से आते हैं। अध्याय 2 श्लोक 1 में मोआब; मोआब लूत की छोटी बेटी का वंशज था। इसलिए वह पहले तीन विदेशी देशों को देखता है और फिर तीन चचेरे देशों की ओर बढ़ता है।

फिर वह घर के करीब आ जाता है. 2:6 में इज़राइल, उत्तरी साम्राज्य पर ध्यान केंद्रित करने से पहले, वह 2:4 में भाई राष्ट्र, आप कह सकते हैं, यहूदा की बात करते हैं। इसलिए मुझे लगता है कि प्रगति सुनने का एक प्रभावी तरीका है, खासकर उन लोगों से जो इज़राइल की बुराई देख सकते हैं। यह अमोस के संदेश को मजबूत करता है और इस मुद्दे पर ध्यान केंद्रित करता है, यहां तक कि यहूदा के बारे में भी - यहीं पर वह टिप्पणियां करता है। उनमें पाप केवल उन दुर्व्यवहारों तक ही सीमित नहीं हैं जो इज़राइल में मौजूद हैं। आम तौर पर, वह सभी देशों द्वारा अपने अंदर की बुराई को पहचानता है और इन देशों को क्षतिपूर्ति का सामना करना पड़ेगा, लेकिन नैतिक जिम्मेदारी के बिना नहीं। पहचाने गए पापों के लिए निर्णय सुनाया जाता है। निर्णय के साधन निर्दिष्ट नहीं हैं, लेकिन यदि आप इन लोगों और राष्ट्रों के इतिहास को देखें, तो ऐसा लगता है कि निर्णय किया गया था।

अमोस का ध्यान यहूदा पर केंद्रित अमोस ने आंतरिक रूप से अपना ध्यान यहूदा पर केंद्रित करना शुरू कर दिया। आप 2:4 और 5 में ध्यान दें, वह कहता है, “यहूदा के तीन पापों के कारण, क्या चार के कारण भी, मैं अपना क्रोध नहीं रोकूंगा। क्योंकि उन्होंने यहोवा की व्यवस्था को तुच्छ जाना है, और उसके नियमों का पालन नहीं किया है, और उन झूठे देवताओं के द्वारा जिन्हें उनके पुरखा मानते थे, भटका दिया है, मैं यहूदा में आग भेजूंगा जो यरूशलेम के गढ़ों को भस्म कर देगी।” वह यहूदा पहुँचता है और वहाँ एक महत्वपूर्ण परिवर्तन होता है। याद रखें कि वह उत्तरी साम्राज्य से बात कर रहा है, हालाँकि वह स्वयं दक्षिण से है। अगर उन्होंने सीधे इज़राइल का रुख किया होता तो उन पर पक्षपात का आरोप लग सकता था. उत्तर आर्थिक और राजनीतिक रूप से मजबूत था लेकिन दक्षिण में मंदिर की उपस्थिति थी। अमोस भगवान के कानून और उसकी विधियों का पालन न करने और अन्य देवताओं का पालन करने का वर्णन करता है। यह 2 राजा 24-25 में

586 ईसा पूर्व में यरूशलेम के विनाश पर पूरा हुआ, इसलिए यहूदा पर निर्णय आ रहा है।

इस्राएल पर आमोस आमोस 2:6-16 में, “इस्राएल के तीन पापों के कारण, क्या चार के कारण भी, मैं अपना क्रोध न रोकूंगा। वे धर्मियों को चाँदी के बदले और दरिद्रों को एक जोड़ी जूतियों के बदले बेच देते हैं।” मैं यह सब नहीं पढ़ूंगा. परन्तु नीचे कूदें, “मैं ने तेरे पुत्रों में से भविष्यद्वक्ताओं को, और तेरे जवानों में से नाज़ीरों को खड़ा किया है।” फिर श्लोक 13 और निम्नलिखित, “अब मैं तुम्हें ऐसे कुचल डालूँगा जैसे गाड़ी अनाज से लदी हुई कुचल जाती है। तेज़ भागने वाला बच नहीं पाएगा, बलवान अपनी ताकत नहीं जुटा पाएगा, और योद्धा अपनी जान नहीं बचा पाएगा। धनुर्धर अपनी जमीन पर खड़ा नहीं रहेगा...” श्लोक 16, "यहां तक कि सबसे बहादुर योद्धा भी उस दिन नग्न होकर भाग जाएंगे।" यह इन पहले दो अध्यायों का चरमोत्कर्ष है। उन्होंने एक के बाद एक इजराइल के दुश्मनों पर फैसला सुनाया है और अब बात इजराइल पर आती है. अब वह अपना संदेश इस्राएल पर निर्देशित करता है जिसे मुख्य न्याय प्राप्त होगा। उन्होंने आसपास के राष्ट्रों द्वारा लोगों को पहले ही चेतावनी दे दी थी। प्रकाश के बजाय अंधकार का दिन, न्याय का दिन।

अनुबंध मुकदमा ए. आरोप और अभियोग इस संदेश को लाने के लिए, अमोस उस चीज़ का उपयोग करता है जिसे कुछ लोगों ने "वाचा मुकदमा" कहा है। इस कानूनी रूप की विशेषताएं यहां देखी जा सकती हैं। ध्यान दें कि यह कैसे काम करता है। सबसे पहले आपके पास एक आरोप या अभियोग है, जो श्लोक 6-8 में है। मैंने उसका एक भाग पढ़ा, “वे धर्मियों को चाँदी के बदले बेचते हैं...।” वे गरीबों के सिर रौंदते हैं।” श्लोक 7, “पिता और पुत्र एक ही लड़की का उपयोग करते हैं और इस प्रकार मेरे पवित्र नाम को अपवित्र करते हैं। वे प्रत्येक वेदी के पास बन्धक में लिये हुए वस्त्रों पर लेटते हैं। वे अपने देवता के भवन में जुमाने के रूप में ली गई दाखमधु पीते हैं।” उस अभियोग में सामाजिक, नैतिक और धार्मिक उल्लंघन शामिल हैं - श्लोक 6 और 7 में गरीबों का उत्पीड़न और श्लोक 8 में नैतिक और धार्मिक धर्मत्याग। इनमें पवित्र वेश्यावृत्ति शामिल है, जिसके बारे में उनका मानना था कि यह जादुई रूप से भूमि की उर्वरता पैदा करता है। इजराइल को इसमें शामिल न होने की चेतावनी दी गई थी. यहां भगवान की पूजा सामान्य बाल की तरह की जाती है।

यह प्रथा वाचा का घोर उल्लंघन थी। इसे और भी बदतर बनाने वाली बात यह थी कि यह गरीबों के उत्पीड़न से प्राप्त चीजों के साथ किया गया था। “वे बन्धक में लिये हुए वस्त्रों पर हर वेदी के पास लेटते हैं।” वे गरीबों की कीमत पर धर्म कर रहे थे। तो यह अनुबंध मुकदमे का अभियोग है।

बी। बनाम में संप्रभु के दयालु कार्य। 9-11 दूसरा छंद 9-11 में संप्रभु के दयालु कृत्यों का पाठ है। छंद 9-11 कहता है, “यहोवा कहता है, 'मैंने एमोरी को उनके सामने नष्ट कर दिया, यद्यपि वह देवदार के समान लंबा और बांज के वृक्ष के समान मजबूत था। मैंने ऊपर से उसका फल और नीचे से उसकी जड़ें नष्ट कर दीं। मैं तुम को मिस्र से निकाल लाया, और एमोरियों का देश तुम्हें देने के लिये जंगल में चालीस वर्ष तक तुम को ले आया। मैं ने तेरे पुत्रों में से भविष्यद्वक्ता भी खड़े किए।” क्या यह सच नहीं है? मैंने ये सभी चीजें की हैं। मैं वफादार रहा हूँ। मैं दयालु रहा हूँ। तो भगवान के दयालु कृत्यों का एक पाठ। परमेश्वर ने लगातार वाचा का पालन किया था।

सी। भविष्यवाणी वाचा चेतावनी की अस्वीकृति वाचा मुकदमे का तीसरा तत्व भविष्यवाणी वाचा चेतावनी की अस्वीकृति है। यह पद 12 में पाया जाता है। “परन्तु तू ने नाजीरों को दाखमधु पिलाया, और भविष्यद्वक्ताओं को भविष्यवाणी न करने की आज्ञा दी।” भविष्यवक्ता लोगों को वाचा की निष्ठा और पश्चाताप की ओर लौटने के लिए कहते हैं, लेकिन दोनों को अस्वीकार कर दिया गया।

यह संख्या चार की ओर ले जाता है, श्लोक 13-16 में वाक्य। मैं वह पहले ही पढ़ चुका हूँ। यह सामान्य शब्दों में दिया गया है। कोई विशिष्ट भविष्यवाणी नहीं है लेकिन निर्णय सूचीबद्ध है। तो यह पुस्तक के पहले खंड का चरमोत्कर्ष है जहां अमोस विदेशी राष्ट्रों से चचेरे भाई राष्ट्रों, भाई राष्ट्र यहूदा और अंततः इज़राइल में बदल जाता है।

3. आमोस 3- 6 न्याय की घोषणाएँ

आइए दूसरे खंड अध्याय 3-6 पर जाएँ जहाँ निर्णय की अधिक विशिष्ट घोषणाएँ हैं। इस खंड में तीन प्रवचन शामिल हैं, जिनमें से प्रत्येक की शुरुआत इस वाक्यांश से होती है, “यह शब्द सुनें जो प्रभु ने कहा है।” आपने देखा कि 3:1 में, “हे इस्राएल के लोगो, यह वचन सुनो जो यहोवा ने तुम्हारे

विरुद्ध कहा है।" 4:1 में, "हे शोमरोन पर्वत पर रहनेवाली बाशान की गायों , तुम दीनों पर अन्धेर करनेवाली और दरिद्रों को कुचलनेवाली स्त्रियों, यह वचन सुनो।" और 5:1, "हे इस्राएल के घराने, यह वचन सुनो, यह विलाप मैं तुम्हारे विषय में सुन रहा हूँ।" ये इन अनुभागों के तीन सूत्रबद्ध परिचय हैं।

एक। आमोस 3 मैं विशेष रूप से अध्याय 3 को देखना चाहता हूँ। अध्याय 3:1-2 कहता है, "हे इस्राएल के लोगो, यह वचन सुनो जो यहोवा ने तुम्हारे विरुद्ध कहा है, अर्थात उस सारे परिवार के विरुद्ध जिसे मैं मिस्र से निकाल लाया हूँ: 'केवल तुम्हारे पास है मैं ने पृथ्वी के सब कुलोंमें से चुन लिया; इसलिए मैं तुम्हें तुम्हारे सभी पापों के लिए दंडित करूंगा। " मुझे लगता है कि यह कविता संदेश के सार को संक्षेप में प्रस्तुत करती है। यहां अनुबंध का विचार केंद्रीय है, भले ही *बेरिट* [संविदा] शब्द नहीं पाया गया है। अध्याय 6 में, "इसलिए मैं तुम्हें दंडित करूंगा," जो वाचा के विचारों के एक लंबे समय के पारंपरिक दृष्टिकोण से लिया गया है, जहां आप उन सभी भविष्यवक्ताओं का पता लगाते हैं जिन्होंने बेरिट [वाचा] शब्द का इस्तेमाल किया था, और आप उस आधार पर परिणाम का आकलन करते हैं। . क्योंकि शब्द *बेरिट* [संविदा] का उपयोग भविष्यवक्ताओं द्वारा बड़े पैमाने पर नहीं किया गया है। डी. हिलर्स ने अनुचित तरीके से निष्कर्ष निकाला है कि वाचा ने भविष्यवक्ताओं की वैचारिक दुनिया में बहुत महत्वपूर्ण स्थान नहीं रखा है। लेकिन हिलर्स क्या सुझाव देते हैं, और वह इस तथ्य पर ध्यान आकर्षित करते हैं कि हाल के दिनों में, वाचा और भविष्यवक्ताओं के संबंध में कार्य के तीन क्षेत्रों में बहुत सारे प्रयास हुए हैं। एक, वाचा शब्दावली. दूसरे शब्दों में, हाँ भविष्यवक्ता हमेशा *बेरिट*, वाचा शब्द का उपयोग नहीं कर सकते हैं, लेकिन वे वाचा भाषा का उपयोग करते हैं। तो आपको अनुबंध संबंधी शब्दावली का उपयोग करके अनुबंध के कामकाज के बारे में अधिक अप्रत्यक्ष दृष्टिकोण मिलता है। दूसरे, हमने वाचा का साहित्यिक पैटर्न वाचा के मुकदमे के साथ अध्याय 3 के अंत में देखा। और फिर तीसरा, वाचा शाप का उपयोग होता है।

वाचा शब्दावली वाचा शब्दावली विश्लेषण पर पहला, मेरे पास यहां आपके नोट्स में अध्याय 3:2

में *यदा* [जानने के लिए] का उपयोग करते हुए एक उद्धरण है। एनआईवी कहता है, "केवल मैंने ही तुम्हें चुना है।" हिब्रू पाठ को देखो. यह ऐसा नहीं कहता. यह कहता है, "केवल तू ही मुझे जानता है।" यह *यदा है* [जानने]। "मैं पृथ्वी के सब कुलोंके विषय में केवल तुम ही को जानता हूँ; इसलिये मैं तुम्हें दण्ड दूँगा।" इसका क्या मतलब है? संभवतः इसका क्या मतलब हो सकता है? "तुम्हें ही मैंने जाना है।" क्या यहोवा नहीं जानता था कि पृथ्वी पर इस्राएल के सिवा और भी कोई जाति है? और यह निष्कर्ष क्यों कि "तू ही मैं जानता हूँ, इसलिये मैं तुझे दण्ड दूँगा"? जानने का दंड देने से क्या संबंध है? तो '*यादा*' पर कुछ टिप्पणियाँ। इस शब्द का अर्थ "समझने" से लेकर "यौन संभोग" तक व्यापक है। परमेश्वर की मांगों के संबंध में या जब यहोवा कहता है, "वह इस्राएल को जानता है" तो इसका क्या अर्थ है? जानना दोनों दिशाओं में जा सकता है। परन्तु आमोस 3:2 में यही कहा गया है, "मैं ने ही तुझे जाना है... इसलिये मैं तुझे दण्ड दूँगा।" यह किस अर्थ में सत्य है कि यहोवा केवल इस्राएल को जानता है और ऐसा आमोस 3:2 में क्यों होता है? इस प्रकार इज़राइल के बारे में परमेश्वर के ज्ञान और उनके विनाश के बीच एक तार्किक संबंध है। यह स्पष्ट हो गया है कि हमारे यहां "जानना" का प्रयोग अंतरराष्ट्रीय संबंधों की शब्दावली से उधार लिया गया है। हफमन का *यदा पर* एक लेख है। उनका कहना है कि निकट पूर्वी राजा एक वैध जागीरदार को पहचानने के लिए, हिती और अक्कादियन दोनों ग्रंथों में, जानने के लिए '*यादा*' का उपयोग करते हैं। हर्बर्ट हफमन के अंतर्गत अपने उद्धरणों के पृष्ठ 49 को देखें। वह कहते हैं, " "जानना" का सबसे स्पष्ट तकनीकी उपयोग सुजरेन और जागीरदार की ओर से पारस्परिक कानूनी मान्यता के संदर्भ में है।" एशिया में छोटे जागीरदार केवल महान राजा को जानने का वादा करते थे। इसके अलावा, "एक और भगवान जिसे आप नहीं जानते होंगे।" और संधियों में हिती सुजैन ने जागीरदारों को आश्वासन दिया कि जागीरदार के खिलाफ विद्रोह के मामले में, "सूरज केवल तुम्हें ही जानेगा।" तो "जानना" किसी को वैध अधिपति या जागीरदार के रूप में पहचानता है। संदर्भ एक संधि या वाचा है।

लेकिन हफमन आगे कहते हैं, " 'जानने' का प्रयोग संधि शर्तों को बाध्यकारी मानने के लिए एक तकनीकी शब्द के रूप में भी किया जाता है।" वे नियमों की सूची बनाते और कहते, "आप इन्हें जानते हैं।" अब उस पृष्ठभूमि में अमोस के शब्द रहस्यमय नहीं रह गये हैं। शब्दावली अंतरराष्ट्रीय संबंधों से परिचित है। यहोवा ने केवल इस्राएल को अपना वैध सेवक, अपना जागीरदार माना था।

चूँकि इस प्रकार की वाचा में दायित्व शामिल थे और जागीरदार ने उन्हें पूरा नहीं किया था, "इसलिये मैं तुम्हें तुम्हारे सभी अधर्मों के लिए दण्ड दूँगा।" आपमें से कुछ लोगों ने अपने पत्रों में देखा है कि प्रभु और इस्राएल के बीच यह "जानना" शब्द कई स्थानों पर आता है। होशे 13:4-6 को देखें। आप इसे दूसरी दिशा से प्राप्त करते हैं। "परन्तु मैं तुम्हारा परमेश्वर यहोवा हूँ जो तुम्हें मिस्र से निकाल लाया। आप करोगे," एनआईवी कहता है, "स्वीकार करें", लेकिन वह *यदा है*, "मेरे अलावा कोई भगवान नहीं, मेरे अलावा कोई उद्धारकर्ता नहीं। मुझे परवाह थी," यह भी *यादा है*, "रेगिस्तान में, तपती गर्मी की भूमि में, तुम्हारे लिए। जब मैं ने उन्हें भोजन कराया, तो वे तृप्त हो गए; जब वे तृप्त हो गये, तो घमण्ड करने लगे; फिर वे मुझे भूल गये। इसलिये मैं सिंह के समान उन पर टूट पड़ूँगा।"

यिर्मयाह 24:7 में यिर्मयाह इसी तरह बोलता है, "मैं उन्हें ऐसा हृदय दूँगा कि वे मुझे जान लें, कि मैं यहोवा हूँ। वे मेरी प्रजा ठहरेंगे, और मैं उनका परमेश्वर ठहरूँगा, क्योंकि वे सम्पूर्ण मन से मेरी ओर फिरेंगे।" इस प्रकार का ज्ञान लोगों के आचरण से निकटता से संबंधित है, यह एक अन्य अंश में स्पष्ट है, यिर्मयाह 22:15 में, जहां आप पढ़ते हैं, और यह योशियाह के पुत्र शल्लूम का है, "वह कहता है, 'मैं अपने लिए एक बड़ा महल बनाऊँगा विशाल ऊपरी कमरों के साथ।' ...क्या अधिक से अधिक देवदार रखना आपको राजा बनाता है? क्या तुम्हारे पिता के पास खाना-पीना नहीं था? उसने वही किया जो सही और उचित था, इसलिए उसके साथ सब कुछ अच्छा हुआ। उन्होंने गरीबों और जरूरतमंदों के हितों की रक्षा की और इस तरह सब कुछ ठीक हो गया। क्या मुझे जानने का यही मतलब नहीं है ? प्रभु की यही वाणी है।" हम संधि संबंधों से जुड़ी भविष्यसूचक शब्दावली के बीच एक संबंध भी देखते हैं। भले ही *बेरिट का* उपयोग अक्सर नहीं किया जाता है, फिर भी अनुबंध से जुड़े विचारों की जटिलता मौजूद है। जेए थॉम्पसन के एक लंबे अंश से, वाचा की शब्दावली कुछ ऐसी भाषा को बाहर निकाल रही है जो वाचा की भाषा है जिसे आप शब्दों को देखकर महसूस नहीं कर सकते हैं। वह कहते हैं, " सामान्य तौर पर, पुराने नियम और निकट पूर्वी संधियों दोनों में पार्टियों को एक ओर 'राजा' या 'स्वामी' और दूसरी ओर 'सेवक' के रूप में वर्णित किया गया था। अनुबंध की शर्तों को 'शब्द' या ' आदेश' के रूप में जाना जाता था । सभी संधियों और अनुबंधों में ली गई 'शपथ' के 'गवाह' थे। क्रियाएँ 'शासन करना,' 'प्यार करना,' 'सेवा करना,' 'आशीर्वाद देना,' 'शाप देना,' 'पालन करना,' 'शपथ लेना,' 'शपथ दिलवाना,' 'साक्षी के रूप में बुलाना,' और इसके

अलावा अन्य सभी क्रियाएँ इसी से संबंधित हैं। वही जनरल सिट्ज़ इम लेबेन, अर्थात् सुजरेन-जागीरदार समाज जिसने निकट पूर्वी संधियों को जन्म दिया, और जिसने वाचा की अभिव्यक्ति के लिए एक गर्भवती रूपक प्रदान किया," और 'यदा' वहां शामिल है।

साहित्यिक पैटर्न: वाचा शाप दूसरा वाचा का साहित्यिक पैटर्न है जिसे हम पहले ही देख चुके हैं। तीसरी श्रेणी वाचा शाप का उपयोग है। हिलर्स बताते हैं, " क्योंकि हम बार-बार पाते हैं कि भविष्यवक्ताओं ने संधियों से जुड़े शापों को प्रतिध्वनित करने के संदर्भ में अपने दुख की भविष्यवाणी की है," लैब्यिकस 26 और व्यवस्थाविवरण 28 के समान, जिसे जाना जाता है " क्योंकि यह एक से जुड़े शापों की एक लंबी सूची है यहोवा के साथ वाचा - यह बताती है कि क्या होगा, 'यदि तुम मेरी विधियों को अस्वीकार करते हो, और मेरे नियमों से घृणा करते हो, ताकि तुम मेरी सभी आज्ञाओं का पालन न करो और इस प्रकार मेरी वाचा को तोड़ दो।" यह संधि शाप है। यह आमोस 3:10 में महत्वपूर्ण हो जाता है जहां यह भविष्यवक्ताओं के मूल्यांकन के लिए महत्वपूर्ण हो जाता है। भविष्यवक्ताओं की अधिकांश आधुनिक विद्वता उनकी मनःस्थिति को पकड़ने के प्रयास में भविष्यसूचक मनोविज्ञान के प्रति समर्पित रही है। वे एकेश्वरवाद और धार्मिक जीवन के बारे में चिंतित थे। लेकिन जिस परिप्रेक्ष्य पर हम विचार कर रहे हैं उसमें भविष्यवक्ता ऐसे व्यक्ति हैं जिन्होंने अपनी चेतना के बजाय इज़राइल के इतिहास और वाचा के प्रमुख वाक्यांशों का उपयोग किया है। उनके वचन केवल वाचा के श्राप हैं। वे बस व्यवस्थाविवरण 28 और लैब्यव्यवस्था 26 में अपनी नींव पर वापस जा रहे हैं।

बी। अमोस 4

अब अध्याय 4 पर चलते हैं। यह उसी चीज़ का एक उदाहरण है। आप 4:6-12 में देखते हैं, आमोस कहता है, "मैं ने तुम्हें नगर नगर में खाली पेट और नगर नगर में रोटी की घटी दी, तौभी तुम मेरे पास नहीं लौटे।" वह कथन "अभी तक तुम मेरे पास नहीं लौटे" पाँच बार दोहराया जाता है। यह 6बी, 8बी में है, "लोग पानी के लिए एक शहर से दूसरे शहर भटकते रहे, लेकिन पीने के लिए पर्याप्त नहीं मिला, फिर भी आप मेरे पास नहीं लौटे।" 9बी और 10बी, "मैंने मिस्र की तरह तुम्हारे

बीच विपत्तियां भेजीं, मैंने तुम्हारे जवानों को तलवार से मार डाला...फिर भी तुम मेरे पास नहीं लौटे।" यह 11बी में है, "अभी तक तुम मेरे पास नहीं लौटे।" और फिर 12 में, "इसलिए मैं तुम्हारे साथ यही करूँगा।" परमेश्वर ने वाचा के श्राप के रूप में कई चेतावनियाँ भेजी थीं, लेकिन उन पर कोई ध्यान नहीं दिया गया ।

व्यवस्थाविवरण 28 और लैव्यव्यवस्था 26 पर जाएँ और अपनी रूपरेखा में छंदों की सूची नोट करें। आप पाएंगे कि आमोस 4 की आयत 6 में अकाल है। व्यवस्थाविवरण 28:17 और 18 पर वापस जाएँ जहाँ हम पढ़ते हैं, "तेरी टोकरी और तेरा आटा गूंधने का बर्तन शापित होगा। तेरे गर्भ का फल, और तेरी भूमि की उपज, और तेरे गाय-बैल के बच्चे, और तेरी भेड़-बकरी के बच्चे शापित होंगे। आमोस 4:7, 8 पर वापस जाएँ—तुम्हारे पास सूखा है। "मैं ने एक नगर पर तो वर्षा बरसाई, परन्तु दूसरे में रोक रखी। एक खेत में वर्षा हुई; दूसरे के पास कुछ भी नहीं था और वह सूख गया।" व्यवस्थाविवरण 28:23, "तेरे सिर के ऊपर आकाश पीतल का, और तेरे नीचे की भूमि लोहे की होगी। यहोवा तुम्हारे देश की वर्षा को धूल में बदल देगा।" आमोस 4:9ए, फफूंदी, "मैंने तुम्हारे बागों और अंगूर के बागों को झुलसा और फफूंदी से मारा है।" व्यवस्थाविवरण 28:22, "यहोवा तुम्हें नाश करने वाली बीमारी से, बुखार और सूजन से, भीषण गर्मी और सूखे से, झुलसा और फफूंदी से पीड़ित करेगा।" आमोस 4:9बी, टिड्डियां, टिड्डियों ने तुम्हारे अंजीर और जैतून के पेड़ चट कर दिए। व्यवस्थाविवरण 28:38 और 42, "तुम खेत में बहुत बीज बोओगे, परन्तु उपज कम पाओगे, क्योंकि टिड्डियाँ उसे चट कर जाएँगी।" मैंने इन्हें भेजा है लेकिन इससे आपको पश्चाताप नहीं करना पड़ा। उसके अंत में श्लोक 11 में, "अभी तक तुम मेरे पास नहीं लौटे।"

फिर पद 12, "इसलिये हे इस्राएल, मैं तुझ से यही करूँगा।" वह क्या करने जा रहा है? यह नहीं कहता. "और क्योंकि मैं तुम्हारे साथ ऐसा करूँगा, हे इस्राएल, अपने परमेश्वर से मिलने के लिये तैयार हो जाओ।" यह एक अधूरी अभिव्यक्ति है. कुछ लोगों का सुझाव है कि क्रियाएँ खो गई हैं और यह 3:14बी में पाया जाता है, "मैं बेतेल की वेदियों को नष्ट कर दूँगा, वेदी के सींग काट दिए जाएँगे।" इसलिए आप कहेंगे, "इसलिये, हे इस्राएल, मैं तुम्हारे साथ यही करूँगा," और फिर डालें, "मैं वेदियों को नष्ट कर दूँगा...।" लेकिन यह पूरी तरह से मनमाना है—इसे कहीं से भी खींचा जा सकता था। यह समझा जाता है। आप इन सभी पापों से गुज़र रहे हैं और "फिर भी आप मेरे पास नहीं लौटे।"

तात्पर्य यह है कि जो पहले हो चुका था, यह उससे भी बदतर होगा। मुझे ऐसा लगता है कि इज़राइल इस चरमोत्कर्ष में वाचा शाप की अपेक्षा कर सकता है। मैं सोचता हूँ कि यहां वही निहित है और जो बिना कहे समझा जाता है। लैव्यव्यवस्था 26:27 पर वापस जाएँ और इस प्रकार कहें, "यदि इसके बावजूद," यानी, आपकी अवज्ञा के कारण ये वाचा के श्राप आप पर आते हैं, "आप मेरी बात नहीं सुनेंगे, तो मैं आपको आपके पापों के लिए सात गुना अधिक दण्ड दूँगा।" 1" श्लोक 31, "मैं तुम्हारे नगरों को खण्डहर में बदल दूँगा।" पद 32, "मैं भूमि को उजाड़ दूँगा।" पद 33, "मैं तुम्हें जाति जाति में तितर-बितर करूँगा, और अपनी तलवार खींचकर तुम्हारा पीछा करूँगा। तुम्हारी भूमि उजाड़ दी जाएगी, और तुम्हारे नगर खंडहर हो जाएंगे।" यदि आप अभी भी ईश्वर के पास नहीं लौटते हैं तो भविष्यवाणी संदेश के अंत में यही आता है। तो मुझे ऐसा लगता है कि यह बात समझ में आ जायेगी। यह वही है जो मैं उन लोगों पर वाचा के श्रापों को क्रियान्वित करूँगा जो पश्चाताप करने से इनकार करते हैं और जो "मेरे पास वापस नहीं लौटेंगे।"

अगली बार हम आमोस 9:11-15 के निष्कर्ष और अधिनियम 15 में इसके उद्धरण पर विस्तार से नज़र डालेंगे।

टेड हिल्लेब्रांट द्वारा प्रतिलेखित
 टेड हिल्लेब्रांट द्वारा रफ संपादित
 केटी एल्स द्वारा अंतिम संपादन
 टेड हिल्लेब्रांट द्वारा पुनः सुनाया गया